GLOBAL ALLIANCE FOR GREEN AND GENDER ACTION



# अभूतपूर्व समय में लचीलापन बनाना

वर्ष 2020 में, दुनिया भर की महिलाओं ने भारी चुनौतियों का सामना करते हुए अपने समुदायों और पृथ्वी के जीवन को बनाए रखते हुए, लचीलेपन की सामुदायिक प्रणालियों को ठोस और मजबूत किया। GAGGA और हमारे सहयोगी संगठनों के लिए, COVID-19 महामारी ने एक अद्वितीय स्थिति सामने रख दी, जिसके लिए प्राथमिकताओं और योजनाओं की तुरंत समीक्षा और समायोजन करना ज़रूरी हो गया। GAGGA के सहभागियों ने अनगिनत बाधाओं को पार करते हुए संवाद करने, संबंध बनाने और एकजुटता बनाने और आयोजन जारी रखने के नए तरीके विकसित किए।

फोटो: रेनामैट

## 2020 में GAGGA: प्रमुख आंकड़े

**426** महिला नेतृत्व वाले समुदाय आधारित समूहों को GAGGA से सहयोग प्राप्त हुआ

**79** प्रतिशत ने कुल €2.2 मिलियन राशि अनुदान में प्राप्त की

**21** प्रतिशत को विशिष्ट गैर–वित्तीय सहायता मिली

## डिजिटल स्पेस में आयोजन

GAGGA सहभागियों ने डिजिटल उपकरणों के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग तथा महिलाओं के नेतृत्व वाले तृणमूल स्तरीय समूहों की डिजिटल स्पेसेज़ में भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद की। रणनीतियों में शामिल हैं: मोबाइल फोन के लिए डेटा पैकेज खरीदना; इंटरनेट सुविधा युक्त निकटतम शहर या गांव तक सुरक्षित यात्रा प्रदान करना; कंप्यूटर कौशल को मजबूत करना; और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल स्पेस में भाग लेने के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करना।

इंटरनेशनल एनालॉग फॉरेस्ट्री नेटवर्क ने बोलीविया, कोस्टा रिका, निकारागुआ और अल सल्वाडोर में एनालॉग वानिकी महिला प्रमोटरों के लिए एक डिजिटल स्पेस स्थापित की है। व्हाट्सएप और सिग्नल जैसे मैसेजिंग ऐप पर भेजे गए ऑडियो संदेशों और वीडियो के माध्यम से, उन्होंने एनालॉग वानिकी, महिलाओं द्वारा पुनर्योजी भूखंडों के रूपरेखा और कार्यान्वयन, और ग्रामीण समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं तक पहुंचने में मदद करने के तरीकों के बारे में तकनीकी जानकारी दी। डिजिटल स्पेस ने महिला प्रमोटरों के बीच विश्वास और आपसी समर्थन के समूह बनाए हैं। फ्रीडा, द यंग फेमिनिस्ट फंड ने डिजिटल देखभाल और सुरक्षा के विषय पर एक संसाधन श्रृंखला जारी की, जिसमें उपकरणों का उपयोग करते समय बुनियादी इंटरनेट ढांचे, सुरक्षित संदेश ऐप और डिजिटल सुरक्षा जैसे विषयों को शामिल किया गया। युवा नारीवादी जलवायु और पर्यावरण रक्षकों पर विशेष ध्यान दिया गया।

GAGGA ने सामूहिक ज्ञान–निर्माण और विमर्श के लिए वर्चुअल स्पेस का आयोजन किया, जिसने हमारी बाहरी मूल्यांकन प्रक्रिया में योगदान दिया और भविष्य के लिए विचार भी उपलब्ध कराए। इन चर्चाओं ने GAGGA के 'वीमेन लीडिंग क्लाइमेट एक्शन' कार्यक्रम (नीचे देखें) और जलवायु न्याय में महिलाओं के नेतृत्व पर केंद्रित एक समाचार पत्र के विकास को निर्देशित करने में मदद की। महिला पर्यावरण एवं विकास संगठन और फ्रेंड्स ऑफ द अर्थ इंटरनेशनल के सहयोग से, GAGGA ने COP26 गठबंधन द्वारा आयोजित वैश्विक सभा 'फ्रॉम द ग्राउंड अप' में एक सत्र का सह–आयोजन किया। 'फेमिनिस्ट क्लाइमेट एक्शन: बिल्डिंग पावर एट ऑल लेवल' के इस सत्र में 150 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

2016 में शुरू किया गया, ग्लोबल अलायंस फॉर ग्रीन एंड जेंडर एक्शन (GAGGA) दुनिया भर में महिलाओं के अधिकारों, पर्यावरण और जलवायु न्याय आंदोलनों की सामूहिक शक्ति को बढ़ाने के लिए कार्यरत है। GAGGA की परिकल्पना ऐसी दुनिया की है जहां महिलाओं के पानी, खाद्य सुरक्षा और स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण के अधिकारों को मान्यता दी जाती है और उनका सम्मान किया जाता है। इसे फॉन्डो सेंट्रोअमेरिकानो डे मुजेरेस के साथ मामा कैश और बोथ एन्ड्स से सहयोग प्राप्त है। और अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट पर जाएँ, ट्विटर पर हमें फॉलो करें और हमारे समाचारपत्र को सबस्क्राइब करें।

## स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के अधिकारों और पर्यावरण न्याय के लिए सम्मान बढ़ाना

GAGGA के सहभागियों ने न केवल उनकी आजीविका, खाद्य सुरक्षा और सुरक्षित पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, बल्कि अपना नियंत्रण बनाए रखने या अपनी भूमि और क्षेत्र पर दावा करने के साधन के रूप में भी, अपनी सतत, समुदाय–आधारित प्रथाओं को मजबूत करना जारी रखा। GAGGA द्वारा समर्थित तृणमूल स्तरीय समूहों ने अपने पैरवी और वकालत के प्रयासों में अन्य मुद्दों के साथ–साथ, पारिस्थितिकीय बहाली/संरक्षण (जिसमें जैव विविधता भी शामिल है); सतत कृषि; जलवायु परिवर्तन; सशक्तिकरण और आर्थिक स्वायत्तता जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया।

इंडोनेशिया में, भूतापीय, जल विद्युत और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विकास की योजनाओं में प्रभावित होने वाले स्थानीय समुदायों के साथ कभी भी उचित परामर्श नहीं किया गया। 2020 में, GAGGA सहभागी अक्सी! ने एक नारीवादी सहभागी सक्रीय शोध किया, जिसमें 50 से अधिक महिलाओं के साक्ष्य संकलित किए गए कि अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से उन पर क्या नकारात्मक प्रभाव हुए हैं। यह शोध अक्सी! द्वारा सेव गुनुंग स्लैमेट के साथ मिलकर CEDAW समिति को प्रस्तुत की गई एक रिपोर्ट का आधार बना, जिसके परिणामस्वरूप इंडोनेशियाई सरकार के साथ सीधे कार्रवाई की गई। गोलमेज चर्चा और 'ऊर्जा परियोजना क्षेत्रों की महिलाओं की आवाज़' वेबिनार के साथ, अक्सी! ने महिलाओं और स्थानीय समुदायों के सुझावों, सहमति और नियंत्रण के आधार पर लोकतांत्रिक और समावेशी रूप से विकसित जन–केंद्रित समाधानों और विकल्पों की आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित किया।

नाइजीरिया के पोर्ट हारकोर्ट में स्थित केबेटकाचे महिला विकास और संसाधन केंद्र और लोकियाका सामुदायिक विकास केंद्र ने नाइजीरिया डेल्टा में तेल निष्कर्षण और गैस फ्लेयरिंग (जब तेल कंपनियां तेल निकालने की प्रक्रिया में निकली गैस जलाती हैं) के संबंध में महिलाओं और स्थानीय समुदायों के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाई है। 2019 में GAGGA द्वारा दी गई एक लिंकिंग एंड लर्निंग ग्रांट से दो संगठनों को एक–दूसरे के काम की पूरकता को सुदृढ़ करने में मदद मिली। 2020 में, केबेटकाचे ने लोलौमा और उमूकेम समुदायों में महिलाओं की जागरूकता को मजबूत किया कि उन्हें गैस फ्लेयरिंग के लिए 'नहीं' कहने का अधिकार है और उन्हें अवगत कराया कि वे निर्णय लेने वालों के साथ अपनी पहचान स्थापित करके उनके साथ वार्तालाप करने में सक्षम हैं। समुदाय के सदस्यों, नागरिक समाज संगठनों और क्षेत्रीय विदेश मंत्रालय और पर्यावरण मंत्रालय और राष्ट्रीय अभिविन्यास एजेंसी के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक मंच का आयोजन किया गया था। फोरम में, रिवर्स स्टेट विमेन अफेयर्स मंत्रालय ने उठाए गए मुद्दों पर, विशेष रूप से गैस फलेयरिंग और प्रदूषण के महिलाओं पर होने वाले प्रभावों पर, अधिक ध्यान देने के प्रति अपनी वचनबद्धता दी।

## अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों पर दबाव बनाए रखना

COVID-19 द्वारा निर्मित बाधाओं के बावजूद, GAGGA ने अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की सामाजिक और पर्यावरणीय नीतियों के विकास, सुदृढ़ीकरण और निगरानी में संलग्न होना, प्रभावित करना और योगदान देना जारी रखा। साथ में, GAGGA के सहभागियों और सदस्यों ने अफ्रीकी विकास बैंक, एशियाई विकास बैंक, एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक, पुनर्निर्माण और विकास के लिए यूरोपीय बैंक और अंतरअमेरिकी विकास बैंक से जुड़ाव बनाया। उन्होंने परियोजना प्रस्तावों के आकलन के साथ–साथ बैंकों की सामाजिक और पर्यावरणीय नीतियों का पालन करने के लिए परियोजना कार्यान्वयन की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया ।

इंटरअमेरिकन एसोसिएशन फॉर एनवायर्नमेंटल डिफेंस (एआईडीए) ने इंटरअमेरिकन डेवलपमेंट बैंक (आईडीबी) पर दबाव बनाना जारी रखा कि वह ग्वाटेमाला में दो विशाल जलविद्युत परियोजनाओं, पोजोम II और सैन एंड्रेस के संबंध में कार्रवाई करे, जो कि अन्य नीतियों के साथ–साथ जेन्डर समानता पर बैंक की संचालन नीति का उल्लंघन कर रहे हैं। हालांकि एआईडीए महामारी के कारण आईडीबी से संबंधित आधिकारिक स्थानों में सीधे भाग लेने और जुड़े रहने में असमर्थ था, समूह ने जागरूकता बढ़ाना, स्थिति की निंदा करना जारी रखा, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्थानीय ईक्सकुईसीस महिलाओं और उनके समुदायों, जिनके अधिकारों का परियोजनाओं द्वारा उल्लंघन किया गया है, के साथ निरंतर संपर्क और एकजुटता सुनिश्चित की। एआईडीए ने विभिन्न वर्चुअल स्पेसेज का आयोजन किया और एक ऑनलाइन याचिका और संचार अभियान भी चलाया, जिनके माध्यम से परियोजनाओं के परिणामों के बारे में पूरे क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाई और ईक्सकुईसीस समुदायों के लिए सहयोग बनाया।

फोटो: विमिन एफ्रीकन अलायंस

## ग्रीन क्लाइमेट फंड के साथ जुड़ाव

GAGGA सहभागियों ने राष्ट्रीय हरित जलवायु कोष (GCF) निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल होने के लिए तृणमूल स्तरीय समूहों को जुटाने के लिए शिक्षण सत्रों और क्षमता निर्माण प्रशिक्षणों का आयोजन करना जारी रखा है। GAGGA ने इंडोनेशिया, मंगोलिया, नेपाल और तंजानिया में महिला अधिकार संगठनों को उनके GCF राष्ट्रीय नामित प्राधिकरण (NDA) के साथ नीतिगत संवाद करने; राष्ट्रीय निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने, जैसे परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए जेन्डर विशेषज्ञता प्रदान करने और सरकार/NDA के साथ जुड़ने के लिए औपचारिक रास्ते का उपयोग करने; और अपने देश में वर्तमान या नियोजित GCF परियोजनाओं की निगरानी रखने लिए सहयोग दिया।

GAGGA ने अन्य संबंधित लोगों के साथ, GCF निर्णय लेने की अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रियाओं में सहभागियों की मांगों और ज़रूरतों को केंद्र में रखना, और स्थानीय पहुंच, जेन्डर प्रतिक्रिया और समावेशी निर्णय लेने को बढ़ावा देना जारी रखा है। 2020 की बोर्ड बैठकों के दौरान, हमने विभिन्न फंडिंग प्रस्तावों के जेन्डर कार्य योजनाओं और जेन्डर मूल्यांकन में सुधार करने की पैरवी की और इन क्षेत्रों में विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों की महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित की। उदाहरण के लिए, क्लाइमेट वॉच थाईलैंड से एशिया की जीसीएफ क्षेत्रीय जेन्डर मॉनिटर, वानुन परम्पिबुल ने जीसीएफ बोर्ड की बैठक में भाग लिया और सीएसओ की सक्रिय पर्यवेक्षक टीम में उनका चुनाव किया गया। इस बीच, GAGGA सहित सीएसओ के एक बड़े समूह द्वारा की गई सामूहिक पैरवी के कारण सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) – कोयला योजना निर्माताओं के लिए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऋणदाता – को जीसीएफ के एजेंडा से अस्थायी रूप से हटाया गया, जिससे कि एसएमबीसी अपनी अनुप्रयोग और ऊर्जा निवेश नीति को बेहतर बना सके, जो GCF और पेरिस समझौते के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप नहीं है।

फोटो: सबोकहान युनिटि ऑफ लुमाद विमेन

## बेहतर संसाधनीकरण के लिए पैरवी

ग्लोबल ग्रीनग्रांट्स फंड और प्रोस्पेरा–महिला फंड्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क, GAGGA ने अपने रणनीतिक सहयोगियों के साथ मिलकर स्थानीय महिलाओं के नेतृत्व वाले आंदोलनों, जो कि पर्यावरण और जलवायु कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे हैं, के लिए समावेशी, लचीली, नारीवादी और समुदाय–संचालित संसाधनीकरण के लिए सरकारी दाताओं और परोपकारी समुदाय के बीच रुचि और गति को मजबूत करने के लिए काम किया। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा, जिसमें उनके जलवायु वित्त और खाद्य प्रणाली और पर्यावरण प्रभाग शामिल थे, के साथ हमारे काम और परिणामों को साझा करने के लिए GAGGA को आमंत्रित किया गया और इसके साथ यूनाइटेड किंगडम विदेश राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय से मिलने का भी मौका मिला।

ग्लोबल ग्रीनग्रांट्स फंड और प्रोस्पेरा ने महिलाओं और पर्यावरण के लिए फंडर लर्निंग कम्युनिटी (एफएलसी), निजी फाउंडेशनों के एक समूह, के साथ अपना काम जारी रखा। एफएलसी के एक मूल्यांकन से पता चला है कि 82 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने दृढ़ता से सहमति व्यक्त की कि उन्होंने सीखा है कि महिलाएं जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय क्षति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण पहल कैसे कर रही हैं, और अधिकांश लोगों के लिए पिछले दो वर्षों में जिन विषयों पर चर्चाएँ हुईं, उनसे उनका ज्ञान 'काफी हद तक' बदल गया/बढ़ गया।

GAGGA सहभागियों और सदस्यों ने सफलतापूर्वक दाताओं को प्रभावित किया कि वे वर्ष 2020 में महिलाओं के नेतृत्व वाले, जेन्डर–उत्तरदायी पर्यावरण और जलवायु कार्य के लिए सहयोग प्रदान करें।

- 2020 में, GAGGA के 53 प्रतिशत सहभागियों ने संकेत दिया कि उन्होंने नए दाताओं से फन्डिंग प्राप्त की, लगभग €1.9 मिलियन EUR[1]। हालांकि, जबकि नए दाताओं की संख्या में वृद्धि सकारात्मक थी, इस पर ध्यान देना भी ज़रूरी है कि कुल राशि पिछले वर्षों की तुलना में कम थी।

- नीदरलैंड्स के विदेश मंत्रालय ने अपने 2021-2025 पॉवर ऑफ वॉइसेस नीति ढांचे के तहत GAGGA को एक रणनीतिक भागीदार के रूप में चुना। GAGGA के 'वीमेन लीडिंग क्लाइमेट एक्शन' कार्यक्रम को €34 मिलियन का पुरस्कार दिया गया।

- फोर्ड फाउंडेशन ने अपने नए रेज़िलिएंट वीमेन एंड नेचुरल रिसोर्सेज प्लस फंड के तहत, ग्लोबल साउथ में महिलाओं के अधिकारों, पर्यावरण और जलवायु न्याय के जुड़ावों पर काम करने वाले समुदाय–आधारित महिला–नेतृत्व वाले समूहों और संगठनों के मानचित्रण का नेतृत्व करने के लिए GAGGA को $100,000 अमरीकी डालर का अनुदान प्रदान किया। मानचित्रण में पर्यावरण और/या भूमि और क्षेत्र की रक्षक महिलाओं और लड़कियों द्वारा सामना की जाने वाली संरचनात्मक हिंसा के विभिन्न प्रकारों/स्वरूपों और वे इन स्थितियों में क्या प्रतिक्रिया दे रही हैं, को देखा जा रहा है।

[1] इसमें GAGGA एलायंस के सदस्यों FCAM, ENDS और मामा कैश दोनों द्वारा प्राप्त फंडिंग शामिल नहीं है।

## विभिन्न आंदोलन के बीच सहयोग और गठबंधन–निर्माण

COVID-19 संकट के संदर्भ में, GAGGA की विभिन्न आंदोलनों के बीच सहयोग की अद्वितीय ताकत कई तरीकों से सामने आई। हम जिन स्थानीय आंदोलनों को सहयोग दे रहे थे, उनकी वास्तविकताओं और ज़रूरतों के बारे में जल्दी से सीखा और तदनुसार अपनी योजनाओं को समायोजित किया। मई में, GAGGA ने ऑटोनॉमी एंड रिजिल्यन्स फंड (ARF) शुरू किया, जिसके अंतर्गत एक बार फंडिंग दी जाती है, जिसका उद्देश्य है लोगों और प्रकृति के लिए समानता, एकजुटता और सामूहिक देखभाल के सिद्धांतों पर आधारित लचीलेपन और स्वायत्तता की समुदाय–संचालित प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने का काम करने वाले महिला पर्यावरण रक्षकों और उनके समुदायों की तत्काल ज़रूरतों को पूरा करना। GAGGA नेटवर्क की संरचना, विशेष रूप से हमसे जुड़े रिश्ते और विश्वास को कायम रखते हुए, ARF की सफलता के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। केवल छः सप्ताह में, GAGGA को कुल 221 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 193 महिलाओं के नेतृत्व वाले समुदाय–आधारित संगठनों से और 18 GAGGA के गैर–सरकारी संस्था सहभागियों से थे। तीन महीने की अवधि के अंदर, GAGGA ने दुनिया भर के 21 देशों के 41 तृणमूल स्तरीय समूहों को €214,108 और सात गैर सरकारी संगठनों को €40,292 प्रदान किए।

अनुदान देने की प्रक्रिया के समापन के बाद, GAGGA ने ARF का एक अध्ययन शुरू किया जिसका प्रयास था, संकट के समय में महिला पर्यावरण रक्षकों और उनके समुदायों के अनुभवों, दृष्टिकोणों और ज़रूरतों के बारे में जानना और समझना। इसकी रिपोर्ट, द ऑटोनॉमी एंड रेजिलिएंस फंडः ट्रांसफॉर्मिंग फीयर इन होप, जेन्डर, पर्यावरण और जलवायु न्याय कार्य के लिए समावेशी, लचीली, नारीवादी और समुदाय–संचालित संसाधनों के बारे में महत्वपूर्ण चर्चाओं में योगदान करती है, लघु और दीर्घ अवधि दोनों स्तरों पर।

## GAGGA नेटवर्क से आवाज़ें

8-22 मार्च – अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से विश्व जल दिवस तक – लैटिन अमेरिका में GAGGA सहयोगी संगठनों ने चौथा वार्षिक 'वी, वीमेन आर वाटर' अभियान चलाया। इस अभियान ने पानी की रक्षा और सुरक्षा में लैटिन अमेरिकी महिलाओं की भूमिका और नेतृत्व पर प्रकाश डाला, और इस सार्वजनिक संसाधन के शोषण और दूषित होने के कारण महिलाओं पर होने वाले प्रभावों को उजागर किया। जिस समय COVID-19 की गंभीरता स्पष्ट हो रही थी, उस समय यह अभियान शुरू हुआ, इसलिए एक महत्वपूर्ण संदेश इसमें शामिल किया गया कि COVID-19 की स्थिति में पानी के मानव अधिकार को सुनिश्चित किया जाए, जिसमें हाथ धोने जैसे सरल उपाय भी शामिल थे।

GAGGA ने COVID-19 के संदर्भ में स्थानीय महिलाओं और उनके समुदायों की वास्तविकताओं को सामने लाते हुए जागरूकता बढ़ाई। GAGGA ने अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के सहभागियों के माध्यम से 60 रिकॉर्डिंग इकट्ठी कीं, जिन्होंने महामारी के शुरुआती महीनों के दौरान अपने अनुभवों का वर्णन किया। मुख्य रूप से ट्विटर पर साझा की गई ऑडियो कहानियों को 17,500 से अधिक बार देखा गया और ट्विटर उपयोगकर्ताओं के साथ 600 से अधिक संवाद हुए, साथ ही बाहरी समाचार माध्यमों ने भी इसे कवर किया।

## नीदरलैंड्स के विदेश मंत्रालय के साथ सहयोग

2020 में नीदरलैंड्स के विदेश मंत्रालय के साथ GAGGA के सहयोग की मुख्य विशेषताओं में शामिल था महिलाओं, समावेशन और पर्यावरण गोलमेज सम्मेलन का सह–आयोजन, जिसमें कनाडा, नीदरलैंड्स, जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड और यूनाइटेड किंगडम सरकारों और अमेरिका और यूरोप के निजी फाउंडेशनों के 40 प्रतिनिधि शामिल हुए, जो पर्यावरण और जलवायु नीति निर्माण पर काम कर रहे थे। गोलमेज सम्मेलन का आयोजन मंत्रालय के समावेशी हरित विकास विभाग के साथ किया गया था और इसमें प्रासंगिक नीतियों, तंत्रों, उपकरणों और पांच सरकारी दाताओं के फंडिंग चौनलों पर हमजोली आदान–प्रदान और सीखने, 2019 में आयोजित हमारे मानचित्रण के प्रमुख निष्कर्षों पर आगे काम करने को बढ़ावा दिया गया। GAGGA ने यह सुनिश्चित करने की भी वकालत की कि मंत्रालय की COVID-19 संकट निधि मौजूदा नवीन वित्त पोषण तंत्र के माध्यम से स्थानीय लोगों और समुदायों तक पहुंचे, विशेष रूप से वंचित समूहों तक – जैसे कि महिलाएं, आदिवासी, ग्रामीण और तटीय किसान, और मछली पकड़ने वाले समुदाय।

## GAGGA के पांच वर्षों के काम से अर्जित की गई सीख

2016 से, GAGGA ने महिलाओं के अधिकारों और पर्यावरण न्याय पर काम कर रहे तृणमूल स्तर के समूहों को 1ए518 अनुदानों के माध्यम से €10.24 मिलियन प्रदान किए हैं, मुख्य रूप से महिला अधिकार एवं पर्यावरण न्याय कोष से। हमारे पहले पांच साल के कार्यक्रम के अंतिम बाहरी मूल्यांकन से निष्कर्ष आया कि हमने अपने पांच साल के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

पिछले वर्षों के हमारे अनुभव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिलाओं के अधिकारों, पर्यावरण और जलवायु न्याय आंदोलनों को एक साथ लाना बहुत महत्वपूर्ण है और पर्यावरण और जलवायु कार्रवाई के साथ–साथ पर्यावरण और जलवायु संबंधी नीतियों में महिलाओं के नेतृत्व वाले समुदाय–आधारित संगठनों के ज्ञान और अनुभव को केंद्रित करना ज़रूरी है।

महिलाएं, अपनी विविधता के साथ, साहसिक, रचनात्मक और समग्र समाधान आगे बढ़ा रही हैं – न केवल पर्यावरणीय क्षति और नकारात्मक जलवायु प्रभावों को दूर करने के लिए, जिसका वे अभी सामना कर रही हैं और भविष्य में सामना करने वाली हैं, बल्कि अपनी और अपने समुदायों की वास्तविकताओं को सकारात्मक रूप से बदलने के लिए भी। GAGGA के इन पहले पांच वर्षों के अंत में, हमें एक साथ प्राप्त की गई सफलताओं पर गर्व है और हम इस नेटवर्क में होने वाले विकास और विस्तार को देखने के लिए तत्पर हैं।

fcam Fondo Centroamericano de Mujeres

mamacash

Both ENDS
Connecting people for change